2016–17 सत्र से प्रभावी

स्नातक(बी0ए0) संस्कृतसाहित्य (द्वितीयसत्रार्द्ध/सेमेस्टर)

प्रथम प्रश्न पत्र – संस्कृत नीतिकाव्य

पूर्णांक– 75 (55+20)

1–नीतिशतकम् (भर्तृहरि) 35 अंक

2–संस्कृत नीतिकाव्य परम्परा परिचय– 20 अंक

(मनु, भर्तृहरि, नारायणपण्डित विष्णुशर्मा)

सहायक पुस्तकें–

1–नीतिशतकम् – डॉ0 गंगासागर राय

2–नीतिशतकम् – अनन्तराम शास्त्री

3–नीतिशतकम् – डॉ0 वीरेन्द्र कुमार वर्मा

4–संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी

5–संस्कृत साहिव्य का इतिहास – डॉ0 बलदेव उपाध्याय

6–संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ0 जयकिशन प्रसाद खण्डेवाल

अंकविभाजन

1	नीतिशतकम् से दो श्लोकों की व्याख्या	10×2 = 20 अंक
2	नीतिशतकम् से एक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	10 अंक
3	संस्कृत के नीतिकाव्यकारों से सम्बन्धित एक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	10 अंक
4	संस्कृत नीतिकाव्यकारों के विषय में एक टिप्पणी	05 अंक
5	वैकल्पिक प्रश्न (05 प्रश्न नीतिशतकम् 05 प्रश्न संस्कृत नीतिकाव्यकारों)	10 अंक

❖ **20 अंक का आन्तरिक मूल्यांकन होगा।**

2016–17 सत्र से प्रभावी

स्नातक(बी0ए0) संस्कृतसाहित्य (द्वितीयसत्रार्द्ध/सेमेस्टर)

द्वितीय प्रश्नपत्र – छन्द, अलंकार एवं अनुवाद

पूर्णांक– 75 (55+20)

1– छन्द – 20 अंक

छन्द की परिभाषा, स्वरूप, छन्द भेद, मात्रा ज्ञान तथा अनुष्टुप, आर्या, इन्द्रवज्रा, वंशस्थ, बसन्ततिलका, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडित, मालिनी एवं मन्दाकान्ता, स्रग्धरा एवं भुजंगप्रयात।

2– अंलकार – 20 अंक

अंलकार की परिभाषा, भेद एवं निम्नलिखित अलंकार – अनुप्रास, श्लेष, यमक, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, व्यतिरेक, विभावना, विशेषोक्ति, अतिशयोक्ति,निदर्शना एवं अर्थान्तरन्यास।

3–सरल हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद 15 अंक

सहायक पुस्तकें–

1–छन्दोऽलंकारज्ञान – डॉ0 किरण टण्डन

2–छन्दोऽलंकार परिचय – डॉ0 लज्जा भट्ट

3–अंलकारशास्त्र का इतिहास – डॉ0 कृष्ण कुमार

4–वृत्तरत्नाकार – पं0 केदारभट्ट

5–वृत्तरत्नाकार (टीका) – नारायण भट्ट

6–छन्द विवेचन – डॉ0 सविता

7–प्रौढ़ रचनानुवाद कौमुदी – डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी

अंकविभाजन

1	किन्हीं दो छन्दों का सलक्षण उदाहरण	5×2 = 10 अंक
2	किन्हीं दो अलंकारों का सलक्षण उदाहरण	5×2 = 10 अंक
3	छन्द अलंकार एवं हिन्दी शब्दों का सही संस्कृत अनुवाद	10 अंक
4	हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद	15 अंक
5	वैकल्पिक प्रश्न(05 छन्द से 05 अलंकार से)	10 अंक

❖ **20 अंक का आन्तरिक मूल्यांकन होगा।**